tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

सबसे कम गेंदों में पांच हजार रन पूरे करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए

Page-04

रणबीर कपूर और आदित्य रॉय कपूर साथ नजर आए फैंस की 'ये जवानी है दीवानी' की यादें ताजा हो गई

Page-05

अमेरिका-ईरान सीजफायर वार्ता टली, पाकिस्तान रद्द किया

अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित सीजफायर वार्ता एक बार फिर टल गई है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव कम होने की उम्मीदों को झटका लगा है। इस बार बातचीत इसलिए नहीं हो सकी क्योंकि अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जारेड कुशनर का पाकिस्तान दौरा रद्द कर दिया गया।यह दूसरी बार है जब दोनों देशों के बीच प्रस्तावित बैठक टली है। इससे पहले ईरान ने साफ कहा था कि जब तक अमेरिका स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से अपनी नाकेबंदी नहीं हटाता, तब तक वह बातचीत के लिए तैयार नहीं होगा।इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने अपने दूतों को पाकिस्तान न जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि लंबी यात्रा कर बेकार की बातचीत करने का कोई मतलब नहीं है और यदि ईरान बातचीत चाहता है तो वह सीधे संपर्क कर सकता है।हालांकि, ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि इस फैसले का अर्थ यह नहीं है कि अमेरिका ईरान के साथ किसी नए सैन्य टकराव की तैयारी कर रहा है। दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी अमेरिकी अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही पाकिस्तान से रवाना हो गए। उन्होंने पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर ईरान की शर्तें और अमेरिकी मांगों पर अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं।

दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल पर हत्या का आरोप

दिल्ली के द्वारका इलाके के जाफरपुर कला में देर रात हुई फायरिंग की घटना ने सनसनी फैला दी है। सामने आई जानकारी के अनुसार, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल में तैनात हेड कांस्टेबल नीरज पर गोली चलाने का आरोप है, जिसमें एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया।सूत्रों के मुताबिक, यह घटना रात करीब 2 बजे की है। बताया जा रहा है कि हेड कांस्टेबल नीरज का घर जाफरपुर कला की मुख्य सड़क पर स्थित है और पास की कॉलोनी में कुछ मजदूर रहते थे। देर रात मजदूरों के बीच पार्टी चल रही थी और शराब के नशे में शोर-शराबा हो रहा था। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ा, जिसके बाद कथित तौर पर कांस्टेबल ने गोली चला दी।फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आरोपी कांस्टेबल खुद भी नशे में था या नहीं। इस पहलू की जांच की जा रही है। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। मामले में हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा जाएगा।

डोनाल्ड ट्रंप सुरक्षित

व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में फायरिंग

व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई फायरिंग में डोनाल्ड ट्रंप समेत सभी वीआईपी सुरक्षित बाहर निकाले गए।

वॉशिंगटन के हिल्टन होटल में आयोजित प्रतिष्ठित व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान शनिवार रात अचानक फायरिंग की घटना से अफरा-तफरी मच गई। यह घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब 8:30 बजे हुई, जब कार्यक्रम में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वांस और कैबिनेट के कई वरिष्ठ सदस्य मौजूद थे।फायरिंग की आवाज सुनते ही पूरे बॉलरूम में हड़कंप मच गया। शुरुआत में कई लोगों को लगा कि यह बर्तनों के गिरने की आवाज है, लेकिन कुछ ही सेकंड में स्थिति स्पष्ट हो गई और लोग अपनी सुरक्षा के लिए इधर-उधर भागने लगे।

- **वॉशिंगटन के हिल्टन होटल में व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान अचानक फायरिंग से अफरा-तफरी मच गई।घटना के समय डोनाल्ड ट्रंप और जेडी वांस समेत कई वीआईपी मौजूद थे, जिन्हें तुरंत सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं और कार्यक्रम को लेकर आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।**

मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत मेजों के नीचे छिपकर खुद को सुरक्षित करने की कोशिश की।सुरक्षा एजेंसियों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत कार्रवाई की और डोनाल्ड ट्रंप समेत सभी वीआईपी मेहमानों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। कार्यक्रम में मौजूद भारतीय पत्रकार रीना भारद्वाज ने बताया कि सुरक्षाकर्मी हथियारों के साथ तेजी से सक्रिय हो गए और पूरे क्षेत्र को अपने नियंत्रण में ले लिया।इसके बाद एक-एक कर कैबिनेट के सभी सदस्यों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। घटना के बाद आयोजकों की ओर से कार्यक्रम को दोबारा शुरू करने की बात कही गई, लेकिन अब तक कोई आधिकारिक विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले की जांच में जुटी हुई हैं।

व्हाइट हाउस डिनर हमले का आरोपी गिरफ्तार

हमले के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपी को मौके पर ही काबू कर लिया और उसे हिरासत में ले लिया। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हमलावर "काफी खतरनाक" प्रतीत हो रहा था।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावर की पहचान 31 वर्षीय कोल एलन के रूप में हुई है, जो कैलिफोर्निया के टोरेंस का निवासी है। बताया जा रहा है कि वह एक शिक्षित ट्यूटर और शौकिया वीडियो गेम डेवलपर है।एलन की शैक्षणिक पृष्ठभूमि भी काफी मजबूत रही है। उसने कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, डोमिंगेज हिल्स से कंप्यूटर साइंस में मास्टर डिग्री हासिल की है। इससे पहले वह कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (कैलटेक) से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक कर चुका है।कॉलेज के दौरान वह एक ईसाई छात्र संगठन और कैंपस के एक मनोरंजक समूह से भी जुड़ा रहा, जहां 'नेर्फ गन' जैसी गतिविधियों में हिस्सा लेता था। इसके अलावा, उसने व्हीलचेयर के लिए एक इमरजेंसी ब्रेक का प्रोटोटाइप भी विकसित किया था, जो बुजुर्गों की मदद के उद्देश्य से बनाया गया था।

राज्यसभा में दलबदल विवाद

संजय सिंह ने 7 सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 'आप' इस मुद्दे पर राजनीतिक ही नहीं, बल्कि कानूनी स्तर पर भी मजबूती से लड़ाई लड़ेगी और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसलों को आधार बनाकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा सुनिश्चित करेगी।

आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच जारी सियासी टकराव अब राज्यसभा तक पहुंच गया है। 'आप' के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन को पत्र लिखकर राघव चड्ढा समेत सात सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है, जिन्होंने हाल ही में भाजपा का रुख किया है।संजय सिंह ने अपनी याचिका में कहा कि इन सांसदों का कदम स्पष्ट रूप से दलबदल की श्रेणी में आता है और यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने आग्रह किया कि संविधान की मर्यादा बनाए रखने के लिए इन सभी की राज्यसभा सदस्यता तत्काल प्रभाव से समाप्त की जाए।अपने तर्क के समर्थन में उन्होंने संविधान की 10वीं अनुसूची यानी दलबदल विरोधी कानून का हवाला दिया। उनका कहना है कि भले ही ये सांसद संख्या बल के आधार पर दो-तिहाई का दावा करें, लेकिन कानूनी रूप से उनका भाजपा में विलय नियमों के अनुरूप नहीं है।संजय सिंह ने बताया कि इस कदम से पहले उन्होंने वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और कई संवैधानिक विशेषज्ञों से सलाह ली है। सभी ने इसे असंवैधानिक करार देते हुए सांसदों को अयोग्य ठहराने की राय दी।

पश्चिम बंगाल में ED की ताबड़तोड़ छापेमारी

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच प्रवर्तन निदेशालय (ED) की कार्रवाई ने सियासी माहौल को और गर्म कर दिया है। रविवार को प्रवर्तन निदेशालय ने कोलकाता के कई इलाकों में छापेमारी की। यह कार्रवाई फरार आरोपी 'सोना पप्पू' से जुड़े जमीन कब्जाने और वित्तीय अनियमितताओं के मामले में की गई।सूत्रों के अनुसार, ED की टीम ने आनंदपुर और अलीपुर क्षेत्रों में दो कारोबारियों के ठिकानों पर जांच की। आशंका जताई जा रही है कि इन कारोबारियों के संबंध सोना पप्पू से हो सकते हैं। जांच एजेंसी को पहले मिली अहम जानकारियों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है और अब यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि क्या इन लोगों की अवैध धन के लेन-देन में कोई भूमिका रही है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला

स्विस एयर की फ्लाइट में टेकऑफ के दौरान इंजन फेल

दिल्ली एयरपोर्ट पर उस समय बड़ा हादसा टल गया जब स्विस एयर की दिल्ली से ज्यूरिख जा रही फ्लाइट SWR146 में टेकऑफ के दौरान अचानक तकनीकी खराबी आ गई। उड़ान भरते ही विमान का एक इंजन फेल हो गया, जिससे स्थिति बेहद गंभीर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान के बाएं हिस्से से धुआं निकलता दिखाई दिया, जबकि दाईं ओर लैंडिंग गियर के पास आग लगने की सूचना सामने आई।हालात को देखते हुए तुरंत फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गई और रनवे 28 को कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा, जिससे अन्य उड़ानों पर भी असर पड़ा और कई फ्लाइट्स देरी से संचालित हुईं। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) ने तुरंत अलर्ट जारी करते हुए सभी आपातकालीन सेवाओं को सक्रिय कर दिया।राहत की बात यह रही कि विमान में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इमरजेंसी स्लाइड्स के जरिए 232 यात्रियों और 13 क्रू मेंबर को तेजी से निकाला गया। इस दौरान 6 लोग हल्के रूप से घायल हुए, जिन्हें तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया।मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड और सुरक्षा टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आग को फैलने से रोक लिया और स्थिति को नियंत्रण में किया। एयरलाइन के अनुसार, रात करीब 1 बजे के आसपास इंजन में तकनीकी खराबी आई थी। फिलहाल विशेषज्ञों की टीम इस बात की जांच कर रही है कि इंजन फेल होने की असली वजह क्या थी और क्या इसमें किसी तरह की लापरवाही शामिल थी।गौरतलब है कि हाल ही में दिल्ली एयरपोर्ट पर अकासा एयर और स्पाइसजेट के विमानों के पंख टकराने की घटना भी सामने आई थी। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने विमानन सुरक्षा और रखरखाव व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिस पर अब सख्त निगरानी और सुधार की जरूरत महसूस की जा रही है।

कोलंबिया में बस पर आतंकी हमला 13 की मौत; ड्रग हिंसा से बढ़ा तनाव

दक्षिण-पश्चिमी कोलंबिया के काउका क्षेत्र में बस पर हुए विस्फोट को सेना ने आतंकी हमला बताया, जिसमें 13 लोगों की जान गई और कई घायल हुए।राष्ट्रपति गुस्तावो पेत्रो ने घटना की निंदा करते हुए इसे आतंकवाद और ड्रग तस्करी से जुड़ा बताया।हमले के पीछे FARC से जुड़े गुटों और अवैध सशस्त्र समूहों का हाथ होने की आशंका जताई गई है।पिछले दो दिनों में क्षेत्र में कई हिंसक घटनाएं सामने आई हैं, जिससे सुरक्षा हालात बेहद चिंताजनक बने हुए हैं।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

कोलंबिया के दक्षिण-पश्चिमी इलाके में शनिवार को एक बस में हुए भीषण हमले को सेना ने आतंकी हमला करार दिया है। इस हमले में 13 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 38 लोग घायल हो गए। देश के सेना प्रमुख ने इस हमले को "आतंकवादी कृत्य" बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र में ड्रग तस्करी से जुड़ी हिंसा तेजी से बढ़ रही है। काउका क्षेत्र के गवर्नर ऑक्टावियो गुजमान ने X पर बताया कि पनामेरिकन हाईवे पर काजिबियो नगरपालिका में बस चल रही थी, उसी दौरान यह विस्फोटक उपकरण ब्लास्ट कर गया। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेत्रो ने इस हमले की सख्त निंदा की है। उन्होंने लिखा, "काजिबियो में जिन लोगों ने हमला किया और सात आम नागरिकों को मार डाला तथा 17 अन्य को घायल किया, उनमें से कई आदिवासी थे, वे आतंकवादी, फासीवादी और ड्रग तस्कर हैं।" यह हमला हाल के दिनों में सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे को निशाना बनाने वाले विस्फोटकों की श्रृंखला में सबसे नया है। काउका स्वास्थ्य सचिव कैरोलीना कैमार्गो ने नोटिसियस काराकोल टीवी न्यूज़ कार्यक्रम को बताया कि घायलों में पांच बच्चे भी शामिल हैं। कोलंबिया के सशस्त्र बलों के कमांडर जनरल ह्यूगो लोपेज़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह "आतंकवादी कृत्य" था और उन्होंने "इवान मोर्डिस्को" नाम के व्यक्ति के नेटवर्क तथा जैमे मार्टिनेज़ गुट को इसके लिए ज़िम्मेदार ठहराया। दोनों ही अब भंग हो चुके कोलंबिया की क्रांतिकारी सशस्त्र सेना (FARC) के भूतपूर्व सदस्य हैं, जो इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। दक्षिण-पश्चिमी कोलंबिया पिछले 2 दिनों में कम से कम 26 ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें केवल आम नागरिक प्रभावित हुए हैं। इनमें जमुंडी के ग्रामीण इलाके में पुलिस स्टेशन पर गोलीबारी और एल ताम्बो में सिविल एविएशन रडार सुविधा पर हमला शामिल है, जहां शनिवार को पहले ही तीन विस्फोटक-लादेन ड्रोनों को मार गिराया गया था। इसमें कोई घायल नहीं हुआ। शुक्रवार को काली और पाल्मीरा में सैन्य इकाइयों के पास दो वाहनों में लगाए गए विस्फोटक उपकरण ब्लास्ट किए गए, जिसमें केवल भौतिक क्षति हुई। इस क्षेत्र में अवैध सशस्त्र समूहों (जो ड्रग तस्करी से जुड़े हैं) के बीच नियंत्रण की लड़ाई तेज होने के कारण शनिवार को उच्च-स्तरीय अधिकारियों को तैनात किया गया।

ट्रंप का बड़ा बयान-ईरान युद्ध रोकने से नहीं रोक सकती

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

फायरिंग को लेकर डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान आया है। वो यह कह रहे हैं कि यह घटना मुझे ईरान युद्ध रोकने से नहीं रोक सकती। यह घटना मुझे रोक नहीं पाएगी। ईरान युद्ध जीतने से नहीं रोक पाएगी मुझे यह घटना। कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर चल रही थी। वहां पर जैसे ही ये गोली की आवाजें हुई एक तो पूरे डोनल्ड ट्रंप उनके कैबिनेट उनकी पत्नी मिलानिया ट्रंप को लेकर जिसमें जितने भी लोग वहां पर मौजूद थे। पीट हेगसेथ से लेकर कैश पटेल सबको वहां से निकाला गया। अमेरिका के अंदर एक अटैक होता है और डॉनल्ड ट्रंप इसको ईरान युद्ध से जोड़ रहे हैं। वो कह रहे हैं कि यह घटना मुझे ईरान युद्ध रोकने से नहीं जीतने से नहीं रोक सकती। अधिकारियों ने बताया कि 31 वर्षीय हमलावर कैलिफोर्निया से था, जिसे सीक्रेट सर्विस ने पकड़ लिया है। घटना के बाद ट्रंप ने 'व्हाइट हाउस' में संवाददाताओं को संबोधित किया और बताया कि संदिग्ध के पास कई हथियार थे। एक अधिकारी को गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट के कारण उनकी जान बच गई। ट्रंप ने कहा कि सीक्रेट सर्विस के अधिकारी को बहुत करीब से एक घातक हथियार से निशाना बनाया गया था। उन्हें गोली लगी लेकिन जैकेट ने अपना काम कर दिया।" अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक वीडियो भी जारी किया है जिसमें संदिग्ध को सुरक्षा अवरोधक के पास भागते हुए और सीक्रेट सर्विस के एजेंट को उसकी ओर दौड़ते हुए देखा जा सकता है। एक अधिकारी ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि एक कानून-प्रवर्तन कर्मी को बुलेट-प्रूफ जैकेट पर गोली लगी, लेकिन उसके सुरक्षित रहने की उम्मीद है।

दिग्गज फोटो जर्नलिस्ट और प्रतिष्ठित फोटोग्राफर रघु राय का 83 साल की उम्र में निधन

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

देश के दिग्गज फोटो जर्नलिस्ट और प्रतिष्ठित फोटोग्राफर रघु राय का रविवार को 83 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की जानकारी उनके परिवार ने सोशल मीडिया के जरिए दी। आज शाम 4 बजे दिल्ली के लोधी श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। रघु राय को भारतीय फोटोग्राफी और फोटो पत्रकारिता का 'जनक' माना जाता है। उन्होंने अपने पांच दशक से अधिक के करियर में देश और दुनिया की कई महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक घटनाओं को अपने कैमरे के जरिए अमर कर दिया। रघु राय का जन्म 1942 में अविभाजित भारत के झंग (अब पाकिस्तान में) में हुआ था। उन्होंने 1962 में फोटोग्राफी को अपना करियर बनाया। उन्होंने आधुनिक भारतीय इतिहास की कुछ सबसे मार्मिक और अहम घटनाओं को अपने कैमरे में कैद किया। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ उन्होंने लंबे समय तक काम किया और उनके कार्यकाल के कई ऐतिहासिक पल कैमरे में दर्ज किए। मदर टेरेसा पर की गई उनकी फोटोग्राफी को दुनिया भर में काफी सराहा गया। 1972 का बांग्लादेश शरणार्थी संकट और 1984 की भीषण भोपाल गैस त्रासदी की उनकी तस्वीरें इतनी प्रभावशाली थीं कि उन्होंने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया था। रघु राय के निधन पर देशभर से शोक संदेश आ रहे हैं। ओडिशा विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और बीजू जनता दल के प्रमुख नवीन पटनायक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्हें याद करते हुए दुख जताया। उन्होंने लिखा, "दिग्गज फोटो जर्नलिस्ट रघु राय के निधन के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। अपने लेंस के माध्यम से, उन्होंने भारत की आत्मा, यहां के लोगों और रोजमर्रा के जीवन को संजोया, जो हमारी सामूहिक स्मृति में हमेशा अंकित रहेगा।"

नेपाल में सत्ता परिवर्तन के बाद चीन के साथ हुए समझौतों की जांच शुरू की

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

चीन ने हमेशा नेपाल के साथ अपने आर्थिक संबंधों का इस्तेमाल हिमालयी देश में राजनीतिक हस्तक्षेप के लिए एक सीढ़ी के रूप में किया है, लेकिन अब नेपाल में सत्ता परिवर्तन के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ किए गए कई समझौतों की जांच की जा रही है। दिल्ली स्थित थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट रिसर्च एंड रिजोल्यूशन (आईसीआरआर) द्वारा प्रकाशित एक लेख के अनुसार, "हाल के वर्षों में, नेपाल में चीन की बढ़ती भूमिका आर्थिक सहयोग से परे जाकर रणनीतिक और राजनीतिक हस्तक्षेप के रूप में सामने आई है, जिसमें तिब्बत और ताइवान से संबंधित मुद्दों पर राजनयिक दबाव से लेकर आंतरिक निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करने के प्रयासों तक शामिल हैं।" लेख में कहा गया कि के.पी शर्मा ओली के कार्यकाल के दौरान नेपाल ने चीन के साथ कई समझौते किए, जिन्हें आर्थिक स्वतंत्रता की दिशा में क्रांतिकारी कदम के रूप में पेश किया गया था। हालांकि, अब देश की नई सरकार इन समझौतों की गहन जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि ओली काल में शुरू की गई चीन से जुड़ी कई परियोजनाएं बिना किसी स्पष्ट कारण के क्यों रुक गईं, उनमें देरी हुई या वे प्रभावी रूप से बंद हो गई हैं। नई सरकार ने यह भी घोषणा की है कि इन परियोजनाओं की पूरी समीक्षा होने तक चीन के साथ किसी भी नए समझौते पर विचार नहीं किया जाएगा। नेपाल-चीन संबंधों में निर्णायक मोड़ 2016 और 2018 के बीच आया, जब बेल्ट एंड रोड पहल के तहत नेपाल बीजिंग के करीब आया। ओली सरकार ने इन समझौतों को नेपाल को क्षेत्रीय कनेक्टिविटी केंद्र में बदलने के ऐतिहासिक अवसर के रूप में प्रस्तुत किया। हालांकि, इन इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को हमेशा व्यावहारिक योजना या वित्तीय स्पष्टता का समर्थन नहीं मिला।

अन्ना हजारे ने कहा एक सख्त दलबदल विरोधी कानून बनाया जाना चाहिए

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों के दल बदलने पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि लोग अपने निजी स्वार्थ के आधार पर एक पार्टी से दूसरी पार्टी में चले जाते हैं। इसलिए, एक सख्त दलबदल विरोधी कानून बनाया जाना चाहिए। अन्ना हजारे ने कहा, 'संविधान में कहीं भी पार्टियों और पक्षों का कोई जिक्र नहीं है। संविधान हमेशा समाज और राष्ट्र के कल्याण पर ही केंद्रित रहता है। आज समाज में विवाद और टकराव राजनीतिक पार्टियों की वजह से ही बढ़ रहे हैं। लोग अपने निजी स्वार्थ के आधार पर एक पार्टी से दूसरी पार्टी में चले जाते हैं। जहां उन्हें अपना फायदा दिखता है, वे वहीं चले जाते हैं। इसलिए, एक सख्त दलबदल विरोधी कानून बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा कोई कानून (दलबदल विरोधी कानून) लागू हो जाता है, तो इस तरह की गलतियां नहीं होंगी। अन्ना हजारे ने यह भी कहा कि सांसदों के दल बदलने पर कुछ नहीं कह सकता हूं, लेकिन जनता को सोचना होगा। अन्ना हजारे ने मतदाताओं को 'राजा' बताया। उन्होंने कहा, 'मतदाता ही सर्वोपरि हैं और यह उन्हीं पर निर्भर करता है कि वे किसे वोट दें, सही व्यक्ति को या गलत व्यक्ति को। अगर मतदाता सोच-समझकर निर्णय लेते हैं, तो सभी दलों और गुटों में व्याप्त अनियमितताओं को सुधारा जा सकता है। सत्ता से पैसा और पैसे से वापस सत्ता पाने का एक दुष्चक्र लगातार चल रहा है। यही इन गलत कामों की मूल वजह है।' गौरतलब है कि राघव चड्ढा और हरभजन सिंह समेत 7 राज्यसभा सांसदों ने दो दिन पहले आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका दिया। राघव चड्ढा और आम आदमी पार्टी के अन्य शीर्ष नेताओं के बीच टकराव की स्थिति कई दिनों से बनी हुई थी। आम आदमी पार्टी में फूट सार्वजनिक रूप से तब सामने आई, जब राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी छोड़ने का ऐलान किया। उन्होंने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा ज्वाइन करने की घोषणा की। इसके साथ ही, राघव चड्ढा ने हरभजन समेत 4 अन्य सांसदों के नाम भी बताए, जो आम आदमी पार्टी छोड़ी। प्रेस

कॉन्फ्रेंस के बाद राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने भाजपा कार्यालय पहुंचकर आधिकारिक तौर पर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने उन्हें सदस्यता दिलाई। इसके साथ ही, उन्होंने चार अन्य राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, विक्रम साहनी और राजिंदर गुप्ता का पार्टी में स्वागत किया।

कर्नाटक में नेतृत्व बदलाव की अटकलों के बीच शिवकुमार का बड़ा बयान

दिल्ली दौरे से लौटने के बाद डीके शिवकुमार ने पार्टी नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए किसी भी तरह की अटकलों पर टिप्पणी करने से इनकार किया।उन्होंने कहा कि शीर्ष कमान सही समय पर निर्णय लेगा और पार्टी के भीतर किसी तरह का कोई विवाद नहीं है।चार मई को चुनाव नतीजों और संभावित कैबिनेट फेरबदल को लेकर सियासी हलचल तेज बनी हुई है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

दिल्ली से लौटने के बाद शिवकुमार ने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें पार्टी नेतृत्व पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि पार्टी सही समय पर सही फैसला लेगी। शिवकुमार का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब पार्टी और सियासी हलकों में अटकलें हैं कि चार मई के बाद राज्य का नेतृत्व बदल सकता है और कैबिनेट में फेरबदल हो सकता है। उसी दिन चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों के नतीजे भी सामने आएंगे। साथ ही कर्नाटक की दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के नतीजे भी उसी दिन घोषित किए जाएंगे। शिवकुमार से जब दिल्ली दौरे के दौरान पार्टी शीर्ष कमान से बातचीत के बारे में सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मैं मीडिया के सामने राजनीतिक मुद्दों पर बात नहीं करूंगा। मैं पहले ही कह चुका हूं कि समय आने पर आपको पता चल जाएगा। इसलिए मैं अभी कुछ नहीं बताऊंगा।

उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के भीतर कोई समस्या नहीं है, जो पहले तय किया गया है, वही होगा। वरिष्ठ मंत्री सतीष जरखोली के बयान पर पूछे गए सवाल के जवाब में उपमुख्यमंत्री ने कहा, ऐसी कोई बात नहीं है। शीर्ष कमान को करना है, वह सही समय पर करेगा। कोई समस्या नहीं है। हमें अपनी पार्टी पर भरोसा है। पार्टी को जो करना होगा, वो करेगी। सरकार के तीन साल पूरे होने और नेतृत्व बदलने के मुद्दे पर पूछे गए सवाल पर शिवकुमार ने कहा, मैंने इस मुद्दे पर कभी चर्चा नहीं की है। मुख्यमंत्री और मैंने, दोनों ने कहा है कि शीर्ष कमान जब और जो फैसला करेगा, हम उसे मानेंगे। 15 मई को अपने जन्मदिन पर 'अच्छी खबर' के सवाल पर उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की। सत्तारूढ़ पार्टी के अंदर नेतृत्व को लेकर खींचतान की चर्चा तेज हो गई है। 20 नवंबर 2025 को सरकार ने अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा किया था। शिवकुमार ने पार्टी कार्यकर्ताओं को 15 मई को उनके जन्मदिन पर फ्लेक्स-बैनर न लगाने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, मैं सभी से कहना चाहता हूं कि मेरे जन्मदिन पर कोई फ्लेक्स या विज्ञापन न लगाए। अगर फ्लेक्स लगाए गए तो मैं अधिकारियों से उन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाऊंगा, चाहे वे पार्टी कार्यकर्ता हों या समर्थक। उन्होंने कहा कि सड़कों पर ऐसे पोस्टर नहीं लगाए जाने चाहिए। यह उनकी निजी अपील है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने नगर निगम के आयुक्तों से नियम तोड़ने वालों पर मुकदमा दर्ज करने और भारी जुर्माना लगाने को कहा है।

पंजाब में सियासी घमासान: हरभजन सिंह की सुरक्षा हटी, केंद्र ने संभाली जिम्मेदारी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पंजाब की राजनीति में इस समय काफी हलचल मची हुई है। राज्य की 'आप' सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए पूर्व क्रिकेटर और राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह की 'जेड प्लस' सुरक्षा वापस ले ली है। रविवार को उनके जालंधर वाले घर से सुरक्षाकर्मियों को हटा दिया गया। हालांकि, अब केंद्र सरकार ने तुरंत कदम उठाते हुए हरभजन सिंह को अपनी ओर से सुरक्षा मुहैया करा दी है। यह पूरा मामला तब सामने आया है जब पार्टी के भीतर नेताओं के छोड़ने की खबरें और सियासी तनाव बढ़ गया है। सूत्रों के अनुसार, यह फैसला राज्य में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रमों को देखते हुए लिया गया है। इससे पहले राघव चड्ढा की सुरक्षा में भी बदलाव किए गए थे, जो आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्हें भी केंद्र सरकार ने जेड प्लस सुरक्षा दी थी। अब हरभजन सिंह के मामले में भी केंद्र ने सुरक्षा का जिम्मा उठा लिया है। राघव चड्ढा ने दावा किया था कि आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसद पार्टी छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें हरभजन सिंह का नाम भी शामिल है। हालांकि, हरभजन सिंह ने इस पर अभी तक कुछ भी नहीं कहा है। वहीं, 'आप' नेतृत्व ने इन दावों को

गलत बताते हुए कहा है कि केवल तीन सांसदों ने ही पार्टी छोड़ी है। हरभजन सिंह की इस चुप्पी ने राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज कर दी है।पार्टी छोड़ने की खबरों से 'आप' के कार्यकर्ता काफी नाराज हैं। जालंधर, लुधियाना और फगवाड़ा जैसे शहरों में सांसदों के घरों और दफ्तरों के बाहर विरोध प्रदर्शन किए गए हैं। दीवारों पर गलत नारे भी लिखे गए हैं, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया है। हालांकि पुलिस वहां मौजूद रही, लेकिन प्रदर्शनकारियों पर ज्यादा सख्ती नहीं दिखी।इस तनाव के बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान काफी सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा है। माना जा रहा है कि वे उन सांसदों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग कर सकते हैं जो पार्टी छोड़ रहे हैं। दूसरी ओर, 'आप' के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी उपराष्ट्रपति से मिलने वाले हैं ताकि इन सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की जा सके। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले यह उठापटक पार्टी के भविष्य और चुनावी समीकरणों के लिए बड़े बदलाव के संकेत हैं।

संपादक की कलम से

सियासत, समाज और भविष्य: क्या हम सही दिशा में बढ़ रहे हैं?

ददेश की राजनीति इन दिनों कई बड़े मुद्दों के इर्द-गिर्द घूम रही है—जाति जनगणना की मांग, चुनावी पारदर्शिता पर सवाल और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती अस्थिरता। एक तरफ जहां राहुल गांधी जैसे नेता सामाजिक न्याय और जातिगत गणना की वकालत कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ममता बनर्जी जैसी मुख्यमंत्रियों द्वारा चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाना लोकतंत्र की सेहत के लिए चिंता का विषय है।लोकतंत्र की असली ताकत उसकी पारदर्शिता और निष्पक्षता में होती है। यदि मतदाता सूची, मतदान प्रक्रिया या चुनावी वादों पर बार-बार सवाल उठते हैं, तो यह केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप नहीं रह जाता, बल्कि जनता के भरोसे को कमजोर करता है। चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की आवाज का सबसे सशक्त प्रतीक है—और इस प्रतीक पर किसी भी तरह का संदेह खतरनाक संकेत है।साथ ही, वैश्विक स्तर पर भी हालात चिंताजनक हैं। अमेरिका और ईरान के बीच असफल वार्ता यह दर्शाती है कि दुनिया अब भी संघर्ष और अविश्वास के दौर से गुजर रही है। ऐसे समय में भारत जैसे देश की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, जहां संतुलन, संवाद और कूटनीति के जरिए शांति का रास्ता दिखाया जा सकता है।अंततः सवाल यही है कि क्या हम राजनीति को केवल सत्ता का खेल बनने देंगे या इसे समाज सुधार और राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाएंगे? जरूरत इस बात की है कि सभी दल अपने-अपने हितों से ऊपर उठकर देश के दीर्घकालिक हितों पर ध्यान दें। क्योंकि मजबूत लोकतंत्र वही होता है, जहां बहस हो, मतभेद हों—लेकिन राष्ट्रहित सर्वोपरि हो।इसके साथ ही नागरिकों की जागरूकता और सक्रिय भागीदारी भी उतनी ही जरूरी है। जब तक जनता सवाल नहीं पूछेगी और जवाबदेही तय नहीं करेगी, तब तक लोकतंत्र मजबूत नहीं हो सकता। मीडिया और संस्थाओं की निष्पक्षता भी इस प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाती है।

हुगली रैली में नरेंद्र मोदी का TMC पर तीखा हमला, रिकॉर्ड मतदान की अपील

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

P M मोदी ने आज (रविवार को) हुगली के आरामबाग में विजय संकल्प सभा को संबोधित किया और वोटर्स से अपील की कि 29 मई को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में पहले फेज के वोटिंग टर्नआउट का रिकॉर्ड तोड़ देना है। जान लें कि पहले फेज में करीब 92 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। PM मोदी ने अब इस रिकॉर्ड को भी तोड़ देने की अपील की है। आरामबाग में PM मोदी ने कहा, 'कुछ समय पहले मैं सिंगूर आया था, उसी समय मैंने टीएमसी की निर्मम सरकार के प्रति जनता का गुस्सा साफ-साफ देखा था। आज मैं फिर देख रहा हूं, वो गुस्सा अपने चरम पर पहुंच चुका है, और इस गुस्से में बंगाल का एक ही उद्देश्य है कि TMC सरकार को इस बार बदल देना है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 15 साल तक TMC ने पश्चिम बंगाल के लोगों को लूटा, लेकिन ये लोग एक चीज भूल गए, जब अत्याचार की हद हो जाती है, तो जनता मां दुर्गा का रूप धर कर अन्याय का विसर्जन कर देती है। आज बंगाल के हर बूथ पर उमड़ता जनसैलाब कह रहा है, भय OUT और भरोसा IN.पीएम मोदी बोले कि TMC की निर्मम सरकार, नबन्ना सचिवालय से नहीं चलती है। इस सरकार को या तो गुंडे और मस्तान चलाते हैं या फिर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सरकार हरकत में आती है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'टीएमसी सरकार ने यहां अपने कुकर्मों से बंगाल की जनता का भरोसा खो दिया है, इसलिए लोग आए दिन कोर्ट-कचहरी जाने को मजबूर हैं। शिक्षक भर्ती घोटाला, टीएमसी के मंत्रियों ने भर्ती लूट ली, हजारों युवाओं को बर्बाद कर दिया। संवेदनशील सरकार होती तो ईमानदारी से जांच करती, लेकिन कोर्ट को इस

मामले में जांच के आदेश देने पड़े। यानी टीएमसी सरकार की विश्वसनीयता शून्य है।'

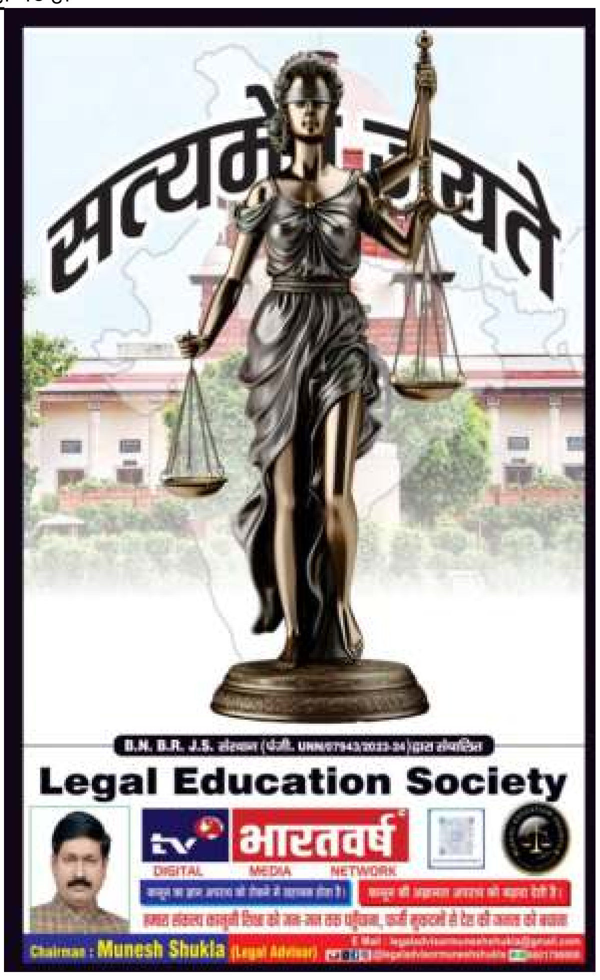

डिजिटल शिक्षा की लहर: गांव से शहर तक बदलती पढ़ाई की दिशा

भारत में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और इस परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण डिजिटल तकनीक का तेजी से विस्तार है। पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म, स्मार्ट क्लासरूम, वर्चुअल लर्निंग और मोबाइल ऐप्स के माध्यम से पढ़ाई करना न केवल आसान हुआ है, बल्कि पहले की तुलना में अधिक सुलभ और लचीला भी बन गया है। खासतौर पर कोरोना महामारी के दौरान जब स्कूल और कॉलेज लंबे समय तक बंद रहे, तब डिजिटल लर्निंग ने शिक्षा व्यवस्था को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौर ने यह साबित कर दिया कि तकनीक के माध्यम से शिक्षा को किसी भी परिस्थिति में जारी रखा जा सकता है।आज देश के शहरी ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल माध्यमों का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। छात्र अब मोबाइल फोन, टैबलेट और लैपटॉप के जरिए घर बैठे ही पढ़ाई कर रहे हैं। ऑनलाइन क्लासेस, रिकॉर्डेड वीडियो लेक्चर, ई-बुक्स और डिजिटल नोट्स ने सीखने के तरीकों को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां छात्रों को अच्छी शिक्षा के लिए बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, वहीं अब इंटरनेट के माध्यम से उन्हें वही सुविधाएं अपने गांव या छोटे शहर में ही उपलब्ध हो रही हैं। यह बदलाव विशेष रूप से उन छात्रों के लिए लाभकारी साबित हुआ है, जो आर्थिक या भौगोलिक कारणों से बेहतर शिक्षण संस्थानों तक नहीं पहुंच पाते थे।सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की गई हैं। विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म छात्रों को मुफ्त या सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण कंटेंट उपलब्ध करा रहे हैं। स्कूलों में स्मार्ट बोर्ड, प्रोजेक्टर और डिजिटल कंटेंट का उपयोग बढ़ रहा है। इसके साथ ही शिक्षकों को भी डिजिटल माध्यम से पढ़ाने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे तकनीक का बेहतर उपयोग कर सकें। इससे शिक्षण प्रक्रिया अधिक इंटरैक्टिव और प्रभावी बन रही है।हालांकि, इस तेजी से हो रहे बदलाव के साथ कई चुनौतियां भी सामने आई हैं। सबसे बड़ी समस्या डिजिटल डिवाइड यानी तकनीकी संसाधनों की असमान उपलब्धता है। देश के कई हिस्सों में आज भी ऐसे छात्र हैं, जिनके पास स्मार्टफोन, कंप्यूटर या स्थिर इंटरनेट कनेक्शन नहीं है। इससे वे डिजिटल शिक्षा का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। इसके अलावा, बिजली की अनियमित आपूर्ति और नेटवर्क की समस्या भी कई क्षेत्रों में बाधा बनती है।एक अन्य महत्वपूर्ण चुनौती स्वास्थ्य से जुड़ी है। लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठकर पढ़ाई करने से छात्रों में आंखों की कमजोरी, सिरदर्द, नींद की समस्या और मानसिक तनाव जैसी दिक्कतें बढ़ रही हैं। साथ ही, ऑनलाइन शिक्षा में अनुशासन बनाए रखना भी एक चुनौती है, क्योंकि घर का माहौल हमेशा पढ़ाई के अनुकूल नहीं होता।इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सरकार लगातार सुधार के प्रयास कर रही है। विभिन्न योजनाओं के तहत स्कूलों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों को डिजिटल ट्रेनिंग देकर उन्हें नई तकनीकों से परिचित कराया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी तकनीक आधारित शिक्षा को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है, जिससे शिक्षा को अधिक समावेशी, लचीला और प्रभावी बनाया जा सके।विशेषज्ञों का मानना है कि केवल डिजिटल या केवल पारंपरिक शिक्षा पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। दोनों का संतुलित मिश्रण ही सबसे बेहतर परिणाम दे सकता है। जहां डिजिटल शिक्षा ज्ञान को व्यापक और सुलभ बनाती है, वहीं पारंपरिक कक्षा शिक्षण छात्रों के सामाजिक और भावनात्मक विकास में मदद करता है।यदि तकनीक का सही और संतुलित उपयोग किया जाए, तो यह न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को सुधार सकता है, बल्कि देश के हर कोने तक ज्ञान पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आने वाले समय में डिजिटल शिक्षा भारत की शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न हिस्सा बनने जा रही है, जो भविष्य की पीढ़ियों को अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बनाएगी।

स्किल एजुकेशन का बढ़ता महत्व: नई पहल से रोजगार के खुलते रास्ते

देश में शिक्षा का स्वरूप अब तेजी से बदल रहा है और इसे केवल डिग्री तक सीमित न रखकर कौशल विकास पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। बदलते समय और रोजगार की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह महसूस किया गया है कि केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि छात्रों के पास व्यावहारिक और तकनीकी कौशल होना भी बेहद जरूरी है। इसी दिशा में नई शिक्षा नीति के तहत कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, जिनका उद्देश्य छात्रों को अधिक सक्षम और रोजगार के लिए तैयार बनाना है।नई शिक्षा व्यवस्था में इस बात पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि छात्र पढ़ाई के साथ-साथ ऐसे कौशल भी सीखें, जो उन्हें भविष्य में करियर बनाने में मदद करें। स्कूल और कॉलेज स्तर पर अब ऐसे कोर्स शुरू किए जा रहे हैं, जिनमें छात्रों को आईटी, डिजिटल मार्केटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा एनालिसिस और अन्य व्यावसायिक कौशल सिखाए जाते हैं। इससे छात्रों को न केवल नई तकनीकों की जानकारी मिलती है, बल्कि वे इनका उपयोग भी सीखते हैं।इस बदलाव का सबसे बड़ा फायदा यह है कि छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद सीधे रोजगार के लिए तैयार हो सकते हैं। पहले जहां डिग्री हासिल करने के बाद भी छात्रों को नौकरी के लिए अलग से प्रशिक्षण लेना पड़ता था, वहीं अब शिक्षा के दौरान ही उन्हें आवश्यक स्किल्स सिखाए जा रहे हैं। इससे समय की बचत होती है और रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं।सरकार भी इस दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत युवाओं को ट्रेनिंग और इंटर्नशिप के अवसर दिए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को उद्योगों के साथ जोड़ने की कोशिश की जा रही है, ताकि वे वास्तविक कार्यस्थल का अनुभव प्राप्त कर सकें।

चोट पर राजस्थान रॉयल्स ने दिया बड़ा अपडेट- ऐसा नहीं लगता कि यह कोई गंभीर चोट है।

सबसे कम गेंदों में पांच हजार रन पूरे करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने रविवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह आईपीएल में सबसे कम गेंदों में पांच हजार रन पूरे करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने सुरेश रैना और महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया। सीएसके का सामना चेपॉक स्टेडियम में रविवार को गुजरात से हुआ। इस मुकाबले में सैमसन दो चौकों की मदद से सिर्फ 11 रन बना पाए, लेकिन वह आईपीएल में पांच हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए। इतना ही नहीं वह यह कारनामा सबसे कम गेंदों में करने वाले तीसरे बल्लेबाज भी बन गए। सबसे कम गेंदों में आईपीएल में पांच हजार रन पूरे करने का रिकॉर्ड एबी डिविलियर्स के नाम है, जिन्होंने 3288 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। दूसरे स्थान पर डेविड वॉर्नर हैं, जिन्होंने 3554 गेंदों का सहारा लिया। वहीं, तीसरे स्थान पर संजू सैमसन हैं, जिन्होंने 3555 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की। चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर क्रमश: सुरेश रैना (3620 गेंदें), केएल राहुल (3688 गेंदें) और महेंद्र सिंह धोनी (3691 गेंदें) हैं। गुजरात को पहली सफलता कगिसो रबाडा ने दिलाई। उन्होंने संजू सैमसन को चौथे ओवर की तीसरी गेंद पर जोस बटलर के हाथों कैच कराया। टी20 क्रिकेट की पांच पारियों में ऐसा तीसरी बार हुआ है, जब रबाडा ने सैमसन को पवेलियन की राह दिखाई है। 28 गेंदों में सैमसन इस गेंदबाज के खिलाफ 37 रन बना पाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 132.14 का रहा है।

ऋतुराज गायकवाड़ ने 100 छक्के पूरे कर लिए यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज बन गए

IPL 2026 के 37वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ चेपॉक में खेले जा रहे मुकाबले में गायकवाड़ ने ऐसा कारनामा किया, जिसने उन्हें एमएस धोनी और सुरेश रैना जैसे दिग्गजों की खास सूची में शामिल कर दिया। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में ऋतुराज गायकवाड़ ने अपनी तीसरी छक्का लगाते ही IPL में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 100 छक्के पूरे कर लिए। इसी के साथ वह CSK के लिए यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज बन गए। उनसे पहले यह कारनामा एमएस धोनी, सुरेश रैना और शिवम दुबे कर चुके हैं। इस मुकाबले में गायकवाड़ ने कप्तानी पारी खेली। उन्होंने 60 गेंदों पर 74 रन बनाए और नाबाद लौटे। उनकी इस पारी में 6 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उनके इन छक्कों ने ही उन्हें इस खास क्लब में पहुंचाया। गायकवाड़ ने IPL में अब तक सिर्फ चेन्नई सुपर किंग्स के लिए ही खेला है। उन्होंने महज 79 मैचों में 100 छक्के पूरे किए। ऋतुराज गायकवाड़ का IPL करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने लीग में 2665 रन बनाए हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 135 से अधिक है। उनके नाम 2 शतक और 21 अर्धशतक दर्ज हैं, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 108 रन है।

‘श्रीनगर खेल संकल्प’ जारी: भारत को खेल महाशक्ति बनाने पर जोर

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को तीन-दिवसीय चिंतन शिविर के समापन पर ‘श्रीनगर खेल संकल्प’ दस्तावेज जारी किया। इस दस्तावेज में ‘सहकारी संघवाद’ के जरिए खेल संस्कृति को मजबूत करने का एक साझा राष्ट्रीय दृष्टिकोण बताया गया है जिसमें खिलाड़ियों पर केंद्रित विकास और बुनियादी ढांचे के विस्तार पर खास जोर दिया गया है। इस दस्तावेज में खेल को आर्थिक विकास और राष्ट्र निर्माण का एक अहम जरिया माना गया है जो पर्यटन को बढ़ावा देता है, अंतरराष्ट्रीय आयोजनों को आकर्षित करता है, स्थानीय उद्योगों को गति देता है और बड़े वैश्विक खेल आयोजनों की मेजबानी करने की भारत की महत्वाकांक्षा को और मजबूत करता है। इसमें कहा गया है कि खेल संघों, राज्यों और केंद्र को मिलकर काम करना चाहिए जिससे कि भारत एक खेल प्रधान राष्ट्र बन सके और यह सुनिश्चित हो सके कि देश की विकास गाथा में खेल सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा बनकर नहीं रह जाएं। मांडविया ने देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के युवा मामले और खेल मंत्रियों के चिंतन शिविर की अध्यक्षता की। 15 से अधिक राज्यों के खेल मंत्रियों के साथ-साथ आदिल सुमारीवाला, अभिनव बिंद्रा, पुलेला गोपीचंद और गगन नारंग जैसी जानी-मानी खेल हस्तियों ने भी इस चिंतन शिविर में हिस्सा लिया और संबंधित पक्षों के साथ अपने विचार साझा किए। इस दस्तावेज में सहकारी संघवाद के जरिए खेल संस्कृति को मजबूत करने का एक साझा राष्ट्रीय दृष्टिकोण बताया गया है। इसमें खिलाड़ियों पर केंद्रित विकास, खेल के बुनियादी ढांचे का विस्तार, प्रतिभा की पहचान, क्षेत्रीय खेल समूहों का विकास और एकता, युवा सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, पर्यटन और आर्थिक विकास के लिए खेल का उपयोग करने पर खास जोर दिया गया है। यह बड़े वैश्विक खेल आयोजनों की मेजबानी करने की भारत की आकांक्षा को भी दोहराता है। हम, राज्य और केंद्र सरकार, इस घाटी से और उससे आगे भी यह प्रण लेते हैं कि खेल भारत के पुनर्जागरण में कोई छोटी-मोटी बात नहीं, बल्कि एक उभरता हुआ अध्याय होगा।

इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या काम के प्रति समर्पण दिखाने के लिए निजी जीवन से समझौता करना सही है? या फिर लोगों को अपने खास पलों में काम से पूरी तरह दूरी बनानी चाहिए?

शादी के दिन भी काम करता दिखा कर्मचारी

शादी में शिफ्ट की टेंशन

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसा मामला चर्चा में है, जिसने वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर फिर से बहस छेड़ दी है. यह मामला एक कंपनी के कर्मचारी से जुड़ा है, जो अपनी शादी के दिन भी काम से जुड़ा रहा.

इस बात को कंपनी के सीईओ ने गर्व के साथ शेयर किया, लेकिन इंटरनेट पर लोगों ने इसे गलत बताया और जमकर आलोचना की. यह पूरा मामला अमेरिकी कंपनी ट्रिपल व्हेल से जुड़ा है. कंपनी के सह-संस्थापक एजे ओरबाक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट शेयर की. उन्होंने बताया कि उनकी टीम का एक कर्मचारी, डायलन गिफोर्ड, अपनी शादी के दिन भी कुछ समय के लिए ऑनलाइन आया और काम से जुड़े मैसेज का जवाब दिया. ओरबाक ने अपने पोस्ट में इसे एक सकारात्मक बात के रूप में पेश किया. उन्होंने लिखा कि कर्मचारी को पूरी तरह से छुट्टी दी गई थी और किसी ने उसे काम करने के लिए मजबूर नहीं किया था.

इसके बावजूद वह खुद ही ऑनलाइन आया, क्योंकि वह अपने प्रोजेक्ट को लेकर बहुत उत्साहित था. उन्होंने इसे खास जिम्मेदारी और काम के प्रति समर्पण का उदाहरण बताया. हालांकि, जैसे ही यह पोस्ट वायरल हुई, लोगों की प्रतिक्रियाएं बिल्कुल अलग थीं.

कई यूजर्स ने इसे गलत बताया और कहा कि यह वर्क-लाइफ बैलेंस के खिलाफ है. लोगों का कहना था कि शादी जैसे खास मौके पर काम से पूरी तरह दूर रहना चाहिए, न कि ऑनलाइन आकर मैसेज का जवाब देना चाहिए. कुछ यूजर्स ने यह भी सवाल उठाया कि अगर कर्मचारी छुट्टी पर था, तो फिर उसे मैसेज क्यों किया गया. उनका मानना था कि शायद कर्मचारी पर जवाब देने का दबाव रहा होगा, इसलिए वह ऑनलाइन आया. एक यूजर ने लिखा कि अगर बॉस ने मैसेज ही नहीं किया होता, तो कर्मचारी अपनी शादी के दिन काम से दूर रहता.

वर्क फ्रॉम होम मांगते ही नौकरी खत्म!

गुरुग्राम की एक स्टार्टअप कंपनी से जुड़ा एक मामला इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा में है. यहां एक फाउंडर ने अपने ही कर्मचारी को सिर्फ इसलिए नौकरी से निकाल दिया, क्योंकि उसने वर्क फ्रॉम होम करने की परमिशन मांगी थी. हैरानी की बात यह है कि यह फैसला महज दो मिनट के भीतर ले लिया गया. इस घटना ने वर्क प्लेस के माहौल, कर्मचारियों के अधिकार और स्टार्टअप कल्चर को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ दी है.

मसूड़ों का संक्रमण बना काल

दांत दिखवाने गया शख्स, काटने पड़ गए हाथ-पैर

डेवन वैंटरपूल नाम का एक शख्स अपने दांतों के दर्द और सूजन के नियमित चेकअप के लिए डेंटिस्ट के पास गया था. वहां जांच में पता चला कि उसके मसूड़े गंभीर रूप से सूजे हुए थे और उनसे खून बह रहा था. डेंटिस्ट के पास से आने के कुछ ही घंटों के बाद डेवन की हालत बिगड़ने लगी. उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया. कुछ ही हफ्तों बाद, उनकी स्वास्थ्य समस्याएं बेकाबू हो गईं और उनके शरीर के चार अंग काटने पड़े. डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, डेवन की पार्टनर एलिसिया वाइल्डर का कहना है कि उन्हें उसी रात बाद में पता चल गया था कि डेवन के साथ कुछ बहुत गलत हो रहा है. शुरू में उनमें फ्लू जैसे लक्षण दिखाई दिए और जब उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ तो उन्हें दो दिन बाद इमरजेंसी वार्ड में भर्ती करना पड़ा. एलिसिया का कहना है कि तब पता चला कि डेवन सेप्टिक शॉक में चला गया है और उसके महत्वपूर्ण अंग काम करना बंद करने लगे हैं.

पहले जॉब से निकाला फिर WFH देकर काम का बोझ डाला

छंटनी के बीच टेक सेक्टर का 'जुगाड़'

इस समय टेक सेक्टर में हालात काफी मुश्किल हैं. (Photo: Pexels)

टेक सेक्टर में चल रही छंटनी के बीच एक चौंकाने वाली कहानी सामने आई है. मोहाली के एक युवा टेक्नीशियन को अचानक नौकरी से निकाल दिया गया, लेकिन इसके बाद उसी कंपनी ने उसे एक अजीब सा ऑफर दे दिया. रेडिट पर शेयर की गई इस पोस्ट में टेक्नीशियन ने बताया कि 31 मार्च को कंपनी ने पूरी टीम की मीटिंग बुलाई. इस मीटिंग में बताया गया कि कंपनी के पास इस समय कोई खास प्रोजेक्ट नहीं है और पैसों की कमी के कारण वह कर्मचारियों को सैलरी नहीं दे पा रही है. इसके बाद करीब 20 लोगों की टीम से कहा गया कि वे उसी दिन को अपना लास्ट वर्किंग-डे मान लें. यह खबर सुनकर सभी कर्मचारी हैरान रह गए, क्योंकि उन्हें पहले से कोई जानकारी नहीं दी गई थी. अचानक नौकरी जाने से सभी लोग परेशान हो गए. लेकिन इसके बाद कंपनी ने उस टेक्नीशियन को अलग से बुलाकर एक नया ऑफर दिया. कंपनी ने कहा कि वह घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) जारी रख सकता है और उसे हर महीने 25,000 रुपये दिए जाएंगे. यह उसकी पिछली सैलरी 23,000 रुपये से थोड़ी ज्यादा थी. हालांकि, इस ऑफर के साथ जिम्मेदारियां काफी बढ़ा दी गईं. टेक्नीशियन को कहा गया कि अगर कोई नया प्रोजेक्ट आता है, तो उसे अकेले ही पूरा काम संभालना होगा. इसमें फुल-स्टैक डेवलपमेंट और मोबाइल डेवलपमेंट दोनों शामिल होंगे.

रणबीर कपूर और आदित्य रॉय कपूर साथ नजर आए फैंस की 'ये जवानी है दीवानी' की यादें ताजा हो गई

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों नितेश तिवारी की मेगा बजट फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह लीड रोल में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में रणबीर प्रभु श्रीराम की भूमिका निभाते दिखाई देंगे, जिसके चलते उनके फैंस खासे उत्साहित हैं। 'रामायण' से रणबीर कपूर का फर्स्ट लुक भी सामने आ चुका है। इस बीच रणबीर कपूर का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह आदित्य रॉय कपूर के साथ नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आते ही 'ये जवानी है दीवानी 2' के चर्चे तेज हो गए हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने जैसे ही दोनों स्टार्स को साथ देखा, सवाल करना शुरू कर दिया कि क्या ये जवानी है दीवानी का सीक्वल आने वाला है? वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट किया, "इन्हें साथ देखकर बहुत खुशी हुई।" दूसरे ने पूछा, "ये जवानी है दीवानी 2 बन रही है क्या?" एक कमेंट में लिखा था, "ओह माय गॉड, प्लीज ये जवानी है दीवानी पार्ट 2 बनाइए।" यह वीडियो पैपराजी अकाउंट विरल भयानी ने शेयर किया था, जिसने रणबीर और आदित्य रॉय कपूर के फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। बता दें, 2013 में रिलीज हुई 'ये जवानी है दीवानी' में रणबीर कपूर ने कबीर उर्फ बन्नी और आदित्य रॉय कपूर ने अविनाश का किरदार निभाया था। अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में इन दोनों के साथ दीपिका पादुकोण और कल्कि कोचलिन भी मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। वर्क फ्रंट की बात करें तो रणबीर कपूर बहुप्रतीक्षित पौराणिक महाकाव्य रामायण में भगवान राम की भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म दिवाली 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जबकि इसका दूसरा भाग दिवाली 2027 को रिलीज होने की उम्मीद है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में साई पल्लवी सीता, यश रावण और सनी देओल हनुमान की भूमिका में हैं। वहीं, आदित्य राय कपूर को आखिरी बार अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में देखा गया था, जिसमें अनुपम खेर, सारा अली खान, नीना गुप्ता, अली फजल, फातिमा सना शेख, पंकज त्रिपाठी और कोंकणा सेन शर्मा जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिका में थे। वायरल वीडियो में रणबीर कपूर और आदित्य रॉय कपूर मुंबई में आयोजित एक इवेंट में पहुंचे और फैंस का अभिवादन करते नजर आ रहे हैं। रणबीर कपूर ने हल्के नीले रंग की फुल स्लीव ब्लू शर्ट पहनी थी और इसे ब्लैक कलर की पेंट और स्टाइलिश सनग्लासेस के साथ पेयर किया था। वहीं आदित्य काले रंग के कपड़ों में नजर आए। वीडियो जैसे ही शेयर किया गया, इसने फैंस का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया।

यूपी पुलिस को मिली बड़ी मजबूती

60,244 नए सिपाहियों की तैनाती

यूपी में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए 60,244 नए सिपाहियों की भर्ती पूरी कर उन्हें फील्ड में तैनात किया गया है।यह भर्ती प्रक्रिया लंबे समय तक चली, जिसमें पेपर लीक जैसी चुनौतियों के बाद दोबारा परीक्षा कराकर पारदर्शिता सुनिश्चित की गई।सरकार इसे पुलिस के आधुनिकीकरण और बेहतर सुरक्षा व्यवस्था की दिशा में बड़ा कदम मान रही है, खासकर महिला सुरक्षा और अपराध नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

यूपी पुलिस को आज से 60,244 नए सिपाही मिल गए हैं। प्रदेशभर के 112 ट्रेनिंग सेंटरों पर पासिंग आउट परेड के बाद जिलों में ये ड्यूटी जॉइन करेंगे। सीएम योगी ने लखनऊ में परेड के दौरान महिला जवानों की सलामी ली। इससे पहले खुली जिप्सी में परेड का निरीक्षण किया था। सीएम ने कॉन्स्टेबल नेहा यादव को बेस्ट कैडेट का खिताब दिया। योगी ने कहा- थ्री-नॉट-थ्री के बजाय सिपाहियों को इंसास राइफल से प्रशिक्षण दिया गया। मुझसे कहा गया कि दीक्षांत परेड में बेटियां हिस्सा ले रही हैं। तब मैंने कहा कि जहां बेटियां होंगी, वहां मैं जरूर जाऊंगा। आज प्रदेश में माफिया राज समाप्त हो चुका है। गुंडा टैक्स और वसूली पर रोक लगी है। अपराधियों के मन में पुलिस का भय है। पुलिस का मनोबल ऊंचा है। पहले न बेटियां सुरक्षित थीं, न व्यापारी। योगी आदित्यनाथ ने कहा-2017 से पहले जिस प्रदेश में दंगे होते थे, वहां महीनों कर्फ्यू लगा रहता था। अब दंगे होने से पहले ही उन्हें रोकने में यूपी पुलिस सक्षम है। यूपी में अब गुंडा टैक्स और वसूली नहीं होती है। आज यूपी पुलिस देश की बेहतरीन पुलिस बल है। 2017 में प्रशिक्षण की क्षमता मात्र 3 हजार थी। 60 हजार का प्रशिक्षण यूपी के केंद्रों में ही किया गया है। योगी ने कहा- अब आप फील्ड ड्यूटी पर जाएंगे। अपराधियों के लिए जितना कठोर हों, नागरिकों के प्रति उतना ही संवेदनशील भी होना चाहिए। आपने प्रशिक्षण लिया है। उम्मीद है कि आप यूपी पुलिस की गौरवमयी परंपरा को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा- 2017 की तुलना में पुलिस का बजट तीन गुना बढ़ाया गया है। 2019-2020 से लगातार महिला सुरक्षा के लिए काम किए जा रहे हैं। हर थाने में मिशन शक्ति केंद्र बनाए गए हैं। पीएसी की तीन महिला बटालियन भी दी गई हैं।पुलिस भर्ती प्रक्रिया की विज्ञप्ति अक्टूबर 2023 में निकली थी। इसके लिए पहले फरवरी में परीक्षा हुई थी, लेकिन पेपर लीक होने के कारण परीक्षा दोबारा करानी पड़ी। इसके बाद लिखित परीक्षा पिछले साल 23, 24, 25, 30 और 31 अगस्त को कुल 10 पालियों में आयोजित की गई थी। 48 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी। इस परीक्षा में 150 सवाल पूछे गए थे। हर सवाल के 2 नंबर तय थे, यानी कुल 300 नंबरों की परीक्षा हुई थी। माइनस मार्किंग भी थी, हर गलत सवाल पर 0.25 नंबर काटे गए। सिपाही भर्ती परीक्षा के लिए लिखित परीक्षा के बाद 1,74,316 अभ्यर्थियों को फिजिकल टेस्ट के लिए बुलाया गया था। 10 से 27 फरवरी 2025 के बीच फिजिकल टेस्ट कराया गया। 13 मार्च को फाइनल रिजल्ट घोषित किया गया था। 12,048 महिलाओं और 48,196 पुरुषों ने परीक्षा पास की थी। 15 जून 2025 को सिपाहियों को जॉइनिंग लेटर दिए गए थे। 15 अभ्यर्थियों को अमित शाह और सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथों से लखनऊ में लेटर बांटे थे। सीएम ने कहा- उत्तर प्रदेश पुलिस अब आधुनिक तकनीकों से लैस हो रही है। 75 जनपदों में साइबर थानों की स्थापना की गई है। पुलिस कर्मियों को साइबर अपराध से निपटने का प्रशिक्षण दिया गया है। लखनऊ में फॉरेंसिक साइंस संस्थान की स्थापना की गई है। इन प्रयासों का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश पुलिस एक मॉडल और स्मार्ट पुलिस के रूप में उभर रही है।

सैनिक तिराहा के पास शिफ्ट की जाएगी कानपुर रोड पर लगने वाली लेबर और सब्जी मंडी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में कानपुर रोड पर लगने वाली लेबर और सब्जी मंडी को हटाकर सैनिक तिराहे पर ले जाने का निर्णय लिया गया है। यह फैसला शनिवार को पुलिस और व्यापारियों के बीच हुई एक बैठक में लिया गया, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में लगने वाले भीषण जाम की समस्या का समाधान करना था। हाइडिल चौराहा के पास कानपुर रोड किनारे लगने वाली इन मंडियों के कारण रोजाना यातायात बाधित होता था। इससे विशेषकर महिलाओं और स्कूली बच्चों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। लगातार मिल रही शिकायतों के मद्देनजर इस मुद्दे पर कार्रवाई की गई।सरोजनी नगर थाने में आयोजित इस बैठक में सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) कृष्णानगर रजनीश वर्मा और प्रभारी निरीक्षक सरोजनीनगर राजदेव राम प्रजापति शामिल थे। उनके साथ उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा, शांति नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष रितेश सिंह चौहान सहित कई व्यापारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे। बैठक में तय हुआ कि सड़क किनारे संचालित हो रही लेबर मंडी को हटाकर सैनिक तिराहा के पास स्थित खाली भूमि पर स्थानांतरित किया जाएगा। बैठक के बाद अधिकारियों ने संबंधित स्थल का निरीक्षण किया और उसे मंडी के लिए चिन्हित भी कर लिया है। सब्जी विक्रेताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वो 26 अप्रैल 2026, रविवार से अपनी दुकानें निर्धारित मंडी परिसर में ही लगाएं। एसीपी कृष्णानगर ने बताया कि इस नई व्यवस्था से कानपुर रोड पर जाम की समस्या से राहत मिलेगी और यातायात व्यवस्था में सुधार हो सकेगा। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत किया है।

यूपी परिवहन निगम अपने बसों और स्टेशनों को आधुनिक करने की तैयारी में

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

रोडवेज और परिवहन विभाग ने विजन 2050 के तहत बड़े बदलावों की योजना बनाई है। इसके अंतर्गत अगले 25 वर्षों के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं तैयार की जा रही हैं। इन योजनाओं में बस अड्डों का आधुनिकीकरण और सेवाओं का निजीकरण शामिल है।अधिकारियों ने बताया कि चारबाग और विभूतिखंड बस अड्डों का कायाकल्प हो रहा है। कैसरबाग और जानकीपुरम बस अड्डे पीपीपी मॉडल पर विकसित किए जाएंगे। अमौसी में नया बस अड्डे बनेंगे। आउटर रिंग सड़क पर आठ नए बस अड्डे बनाए जाएंगे। हाइड्रोजन से चलने वाली पर्यावरण अनुकूल बसें भी चलाई जाएंगी। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय की सेवाएं निजी हाथों में सौंपी जाएंगी। प्रवर्तन बेड़े में उच्च तकनीक वाले वाहन जोड़े जाएंगे। संगठन के आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने पर भी जोर रहेगा।परिवहन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, लाइसेंस, पंजीकरण और फिटनेस जैसे काम निजी हाथों में पूरी तरह सौंपे जाएंगे। लखनऊ में फिटनेस का काम पहले ही निजी हाथों में है। ड्राइविंग लाइसेंस की जांच भी जल्द निजी क्षेत्र को मिलेगी। परिवहन विभाग नियामक के तौर पर निजीकरण को बढ़ावा देगा। इलेक्ट्रॉनिक प्रवर्तन और इलेक्ट्रॉनिक चालान बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।- पूरे प्रदेश में 300 आधुनिक बस स्टेशन बनाए जाएंगे।

- 50 हजार पर्यावरण अनुकूल बसें बेड़े में शामिल होंगी, जिनमें हाइड्रोजन बसें भी होंगी।

- एकीकृत बस टर्मिनल और रैपिड बस ट्रांजिट कॉरिडोर भी बनेंगे।
- हेरिटेज टूर पर भी ध्यान दिया जाएगा, जिससे पर्यटक पर्यावरण अनुकूल बसों से यात्रा कर सकें।
- सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली को अत्याधुनिक और सुरक्षित बनाया जाएगा।
- जलमार्ग और लॉजिस्टिक्स पार्कों के साथ मल्टी मॉडल यात्री परिवहन हब की स्थापना होगी।

देश के सबसे गर्म जिलों में ये जिले यूपी के शनिवार को नया रिकॉर्ड बनाया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

तापमान ने शनिवार को नया रिकॉर्ड बनाया। पूरे देश में बांदा जिला सबसे गर्म दर्ज किया गया जहां अप्रैल के महीने में अब तक के सर्वाधिक तापमान 47.4 डिग्री की बराबरी हुई। इससे पहले अप्रैल के महीने में वर्ष 2022 में बांदा में ही 47.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। राजस्थान के बाड़मेर का तापमान 45.7 डिग्री और विदर्भ के अमरावती में 45.6 डिग्री दर्ज किया गया। देश में चौथे स्थान पर प्रयागराज रहा जहां का अधिकतम तापमान 45.5 डिग्री और 45 डिग्री तापमान के साथ वाराणसी देश में पांचवें स्थान पर रहा। प्रदेश में तेज धूप, गर्मी और लू ने सामान्य जनजीवन को प्रभावित कर रखा है। ज्यादातर जिलों में तापमान 42 डिग्री के पार पहुंच चुका है और शुष्क पछुआ हवाएं भी अपना असर दिखा रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार, दो दिन और इसी तरह का मौसम रहने की उम्मीद है। हालांकि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते 28 अप्रैल से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश के आसार हैं जिससे तापमान में 3-5 डिग्री की कमी आने से राहत मिल सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शुष्क मौसम के साथ प्रदेश में अधिकतम तापमान 45 डिग्री के करीब पहुंचने या पार होने के आसार बने हुए हैं। एक दिन पहले शुक्रवार को प्रयागराज में तापमान 45 डिग्री पार कर गया था। शनिवार को बांदा में अप्रैल माह का अब तक का सबसे अधिक तापमान 47.4 डिग्री दर्ज किया गया। इससे पहले भी बांदा में ही अप्रैल 2022 में इतना ही तापमान दर्ज किया गया था। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मेरठ, आगरा, शाहजहांपुर, जालौन, बरेली मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, हरदोई, बाराबंकी, अमेठी, बलिया, वाराणसी, गाज़ीपुर व प्रयागराज में उष्ण लहर (लू) की स्थितियां परिलक्षित हुईं। ऐसी परिस्थितियों में आगामी दो दिनों के दौरान कोई विशेष परिवर्तन नहीं होने के दृष्टिगत प्रदेश में 27 अप्रैल तक उष्ण लहर (लू) की स्थितियां ऐसे ही जारी रहेंगी। इसके साथ प्रदेश में कहीं-कहीं उष्ण रात्रि होने की भी संभावना है। इसके बाद एक पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 27 अप्रैल से पश्चिमी उत्तर प्रदेश से वर्षा का दौर शुरू होने के आसार हैं। यह पश्चिमी उत्तर प्रदेश से होकर पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ सकता है। इसके उत्तरोत्तर वृद्धि के साथ मई की शुरुआत तक जारी रहने की संभावना है। इसके दृष्टिगत तापमान में 3-5 डिग्री की गिरावट के कारण 28 अप्रैल से लू की स्थितियों में सुधार होने के आसार हैं। इसी क्रम में राजधानी लखनऊ में भी 26-27 अप्रैल के दौरान कहीं-कहीं लू की स्थितियां बन सकती हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ पुलिस लाइन में परेड की सलामी ली

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

प्रदेश भर में रविवार को पुलिस लाइन, पीएसी बटालियन और प्रशिक्षण केंद्रों पर एक साथ आरक्षी नागरिक पुलिस की पासिंग आउट परेड आयोजित हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ पुलिस लाइन में परेड की सलामी ली और नव आरक्षियों व उनके परिजनों को बधाई दी। उन्होंने बेटियों के प्रदर्शन की विशेष सराहना की।मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर प्रशिक्षण के बाद यह बल तैयार हुआ है। सीएम बोले कि पुलिस बल को लेकर कहा जाता है कि "ट्रेनिंग में जितना पसीना बहेगा, उतना कम खून बहेगा" और अनुशासन पुलिस की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 75 जिलों में साइबर थाने स्थापित किए गए हैं और पीएसी की तीन महिला बटालियन गठित की गई हैं। सीएम ने कहा कि राज्य में अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रभावी कार्रवाई हुई है, जिससे कानून-व्यवस्था मजबूत हुई है। सीएम ने कहा आज दंगे नहीं होते, माफिया राज खत्म हो गया है। पुलिस बल का मनोबल ऊपर है।

स्कूल चलो अभियान व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा 6 से 14 साल का कोई भी बच्चा पढ़ाई से वंचित न रहे

प्रदेश में एक अप्रैल से स्कूल चलो अभियान व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा है। बेसिक शिक्षा विभाग का लक्ष्य है कि 6 से 14 साल का कोई भी बच्चा पढ़ाई से वंचित न रहे। उसका स्कूल में नामांकन हो और वह नियमित स्कूल जाए। इसी क्रम में 1 मई से प्रदेश में श्रमिक बस्तियों, ईंट-भट्ठों और झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों को नामांकित किया जाएगा। यह अभियान खास तौर पर आउट-ऑफ-स्कूल और ड्रॉपआउट बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने पर केंद्रित होगा। दिव्यांग बच्चों को स्पेशल एजूकेटर के सहयोग से चिन्हित कर उनका नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा। वहीं ड्रॉपआउट बालिकाओं को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) में प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश दिलाया जाएगा। बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने प्रदेश के सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि हर बच्चे का नामांकन सुनिश्चित कराया जाए। स्कूल चलो अभियान के पहले चरण (1 से 15 अप्रैल) में 3 साल पूरा करने वाले बच्चों का आंगनबाड़ी-बाल वाटिका में नामांकन, 6 वर्ष के बच्चों का कक्षा-1 में और 7 से 14 साल के ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि अब दूसरे चरण में इसे और तेज करते हुए छूटे हुए बच्चों तक सीधी पहुंच बनाएं। साथ ही कक्षा 5 से 6, 8 से 9 और 10 से 11 तक 100 प्रतिशत ट्रांजिशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि पढ़ाई बीच में न छूटे। आरटीई के तहत निजी विद्यालयों में लॉटरी से चयनित बच्चों का शत-प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित कराने पर भी विशेष जोर दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि कोई भी पात्र बच्चा प्रवेश से वंचित न रहे। अपर मुख्य सचिव ने कहा है कि विद्यालयों के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए ऑपरेशन कायाकल्प और प्रोजेक्ट अलंकार के तहत काम किया जा रहा है। 19 मानकों के आधार पर विद्यालयों में सुविधाएं दी गई गई हैं। एक बार फिर से विशेष अभियान चलाकर शेष अवस्थापना संबंधी कमियों की पहचान करें। उन्हें सीएसआर और अन्य माध्यमों से पूरा करें। साथ ही विद्यांजलि पोर्टल पर सभी विद्यालयों को ऑनबोर्ड कर गैप एनालिसिस दर्ज कराएं। स्वयंसेवी संस्थाओं-वालंटियर्स के सहयोग से सुविधाओं का विस्तार सुनिश्चित कराएं।

उन्नाव में 'काव्य रंग' कवि सम्मेलन

हास्य, वीर और श्रृंगार रस से सजी शानदार काव्य संध्या

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

शहर के कब्बा खेड़ा स्थित रिसॉर्ट में शुक्रवार को अमर उजाला की ओर से 'काव्य रंग' विराट कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। शुभारंभ मुख्य अतिथि जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने दीप जलाकर किया। शिवबालक राम सरोज ने सरस्वती वंदना से कवि सम्मेलन की शुरुआत की। इसके बाद दूर-दूर से आए कवियों ने हास्य, श्रृंगार और वीर रस से सराबोर रचनाएं सुनाकर श्रोताओं की तालियां बटोरीं। डॉ. विनय तिवारी 'विनीत' ने 'कर्तव्य निर्वहन की पहचान बनके देखो, चाहत में समर्पण का प्रतिमान बनके देखो। वो जानकी बनेगी वो राधिका बनेगी, तुम राम बनके देखो, घनश्याम बन के देखो। महेंद्र चतुर्वेदी ने 'राजनीति के तार' और कवयित्री आकांक्षा गुप्ता ने लोक हित में कभी खुलीं थी जो तुमको उन शिव की जटाओं, आदि गीतों से समा बांधा। कवि शिवबालक राम सरोज ने जिंदगी में दे रहे जो सभ्यता के आचरण हैं, मां तुम्हारे वे चरण हैं। कवि पवन प्रगीत ने एक गीत ऐसा भी लिखवा दे माई, जिसमें हो खुशबू वतन की समाई। संचालन कर रहे कवि अनिरुद्ध सौरभ ने अभी गीत की नदी हमारी पर्वत पर से उतर रही है को श्रोताओं ने खूब सराहा। कवि शिव सिंह ने बस इतना सा मान लो मेरा कहना, हां कहने से अच्छा है तो ना कहना, संस्कार के बुझे दीयों को फिर से जलाना होगा। इटावा से आए कवि राम भदावर ने वीर रस से ओतप्रोत रचनाएं सुनाकर मंत्रमुग्ध किया। उनकी कविता यूजीसी का एक नियम क्या आया समाज में, दो दिन में राष्ट्रवादी लोग जातिवादी हो गए, सुनाया तो पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा।

समारोह के दौरान सदर विधायक पंकज गुप्ता, सफीपुर विधायक बंबा लाल दिवाकर और नगर पालिका उन्नाव अध्यक्ष के प्रतिनिधि व भाजपा नेता प्रवीण मिश्रा भानु ने कवियों व आयोजन के सहयोगियों को सम्मानित किया। बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष प्रीती सिंह, विमल द्विवेदी, डॉ. प्रभात सिन्हा, दिवाकर द्विवेदी, पीके मिश्र, रंगकर्मी जब्बार अकरम, अधिवक्ता विनय शंकर आशु, डॉ. नमन निगम, अनुज पांडेय, संजीव कुमार निगम, केके मिश्र, डॉ. आशीष श्रीवास्तव, लक्ष्य निगम सहित बड़ी संख्या में श्रोता मौजूद रहे। आयोजन में सरस्वती मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल से प्रियांशु श्रीवास्तव, आईपीएसआर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स से बद्री विशाल तिवारी, सदर विधायक पंकज गुप्ता, सफीपुर विधायक बंबालाल दिवाकर, बांगरमऊ विधायक श्रीकांत कटियार, भगवंतनगर विधायक आशुतोष शुक्ला, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानु, गंगाघाट पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि संदीप पांडेय सहयोगी रहे। इसके अलावा हिंदू युवा वाहिनी प्रभारी लखनऊ मंडल धीरेंद्र प्रताप सिंह, एलपीएस, अंबिका प्रसाद मेमोरियल पब्लिक स्कूल शुक्लागंज, स्टैंडर्ड फ्रॉजेन फूड्स, इंडाग्रो फूड्स. एओवी एक्सपोर्ट, अल सुपर फ्रॉजेन फूड्स, रुस्तम फूड्स, मैश एग्रो। डॉ. हर्ष निगम होम्योपैथिक हेल्थ सेंटर से डॉ नमन निगम, लिटिल मेलेनियम स्कूल से संजीव निगम ने सहयोग किया। प्रतिष्ठा हॉस्पिटल से डॉ. आनंद कुमार, सियाराम हॉस्पिटल से डॉ. अंबर राजपूत, अवध ट्रांसपोर्ट से अवधेश सिंह, पटेल बैटरी एंड सोलर से क्षितिज, उन्नाव मेडिकल सेंटर से डॉ. भरत खेड़िया, माया इन होटल से अमित निगम, शिवा इन होटल से संजय शुक्ला, मनोरंजन ज्वेलर्स से मिथिलेश मिश्रा, गुरुनानक पब्लिक स्कूल से सतविंदर अरोरा, हर्षित ट्रेडर्स एंड होम सॉल्यूशंस से भानु प्रताप सिंह, उन्नति हाइड्रो से कांति मोहन गुप्ता, मामा कपड़े वाले से राम तनेजा, गृहशोभा साड़ीज से कमल राजपाल, सौरभ मिश्रा का भी योगदान रहा।

उन्नाव में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी तापमान 43 डिग्री

उन्नाव में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है, जहां तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इसके चलते आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। तेज धूप और लू के कारण लोग दिन के समय घरों से निकलने से बच रहे हैं, जबकि मजबूरी में बाहर निकलने वाले लोग गर्मी की मार झेल रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में स्थिति और भी गंभीर है। यहां लंबे समय तक बिजली कटौती से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। पंखे और कूलर बंद होने से उमस और गर्मी से लोग बेहाल हैं, जिससे उन्हें रात में भी राहत नहीं मिल पा रही है। गर्मी का सीधा असर स्वास्थ्य सेवाओं पर भी दिख रहा है। जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। हालत यह है कि एक-एक बेड पर दो-दो मरीजों को भर्ती करना पड़ रहा है और इमरजेंसी वार्ड भी पूरी तरह भरा हुआ है। अस्पताल में बुखार, उल्टी और दस्त के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। डॉक्टरों के अनुसार, लू और दूषित पानी के सेवन से लोग बीमार पड़ रहे हैं। सीमित संसाधनों के कारण अस्पताल प्रशासन और स्टाफ पर मरीजों के इलाज का दबाव बढ़ गया है। अपर जिलाधिकारी सुशील कुमार गोंड ने जनपद वासियों से अपील की है कि वे बहुत आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें। उन्होंने लोगों को पर्याप्त पानी पीने, हल्का भोजन करने और धूप से बचाव के सभी उपाय अपनाने की सलाह दी है। प्रशासन ने स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट मोड पर रखा है। अस्पतालों में आवश्यक दवाओं और अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए आने वाले दिनों में स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो सकती है, इसलिए लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

मेडिकल स्टोर में हुई इस वारदात में नकदी समेत कीमती सामान चोरी

उन्नाव के मोतीनगर इलाके में देर रात एक मेडिकल स्टोर को चोर ने निशाना बना लिया। शैलेश मेडिकल स्टोर में हुई इस वारदात में नकदी समेत कीमती सामान चोरी हो गया। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है।

जानकारी के मुताबिक, बीती रात एक अज्ञात चोर मेडिकल स्टोर में घुसा। उसने दुकान के अंदर रखी नकदी और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। वारदात के बाद वह मौके से फरार हो गया। सुबह जब दुकान संचालक शैलेश दुकान पर पहुंचे तो अंदर का नजारा देखकर हैरान रह गए। दुकान का सामान बिखरा पड़ा था और नकदी गायब थी। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर सदर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें चोरी की पूरी घटना कैद मिली है। फुटेज में चोर का चेहरा और गतिविधियां स्पष्ट दिखाई दे रही हैं, जिससे उसकी पहचान की उम्मीद बढ़ गई है। मेडिकल स्टोर संचालक ने पुलिस को तहरीर देकर जल्द आरोपी की गिरफ्तारी और चोरी गए सामान की बरामदगी की मांग की है। उन्होंने रात के समय सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं। शहर कोतवाल सीके मिश्र ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान की जा रही है। पुलिस आसपास के अन्य कैमरों की भी जांच कर रही है ताकि आरोपी के फरार होने के रास्ते का पता लगाया जा सके। उन्होंने जल्द गिरफ्तारी का भरोसा जताया है।

वृद्धा की मौत के बाद परिजनों ने हंगामा किया

चमरौली-बिछिया मार्ग पर लोडर की टक्कर से घायल वृद्धा की मौत के बाद परिजनों ने हंगामा किया। लोडर चालक पर हत्या की धारा बढ़ाने की मांग करते हुए अंतिम संस्कार से मना कर दिया। हंगामे की सूचना पर पहुंचे सीओ ने परिजनों से बात की और जांच के बाद धारा बढ़ाने का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन ने शव उठाया। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के थानखेड़ा गांव निवासी मथुरा की पत्नी नन्हकी देवी (65) बृहस्पतिवार की सुबह नौ बजे आटा लेने चक्की जा रही थीं। चमरौली-बिछिया मार्ग पर लोडर ने टक्कर मार दी थी। कानपुर में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। बेटे मुकेश की तहरीर पर पुलिस ने चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। शनिवार की सुबह नौ बजे परिजन शव घर के बाहर सड़क पर रखकर हंगामा करने लगे। परिजन चालक पर हत्या की धारा बढ़ाने की मांग कर रहे थे।

नाले की सफाई न होने से गंभीर जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई

उन्नाव शहर के बड़ा चौराहा स्थित कचौड़ी गली के पास नाले की सफाई न होने से गंभीर जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई है। रविवार दोपहर नाले का गंदा पानी सड़कों पर भर गया और दुकानों के सामने तक पहुंच गया, जिससे व्यापारियों का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ। दुकानदारों का कहना है कि जलभराव के कारण ग्राहक दुकानों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे उनका व्यापार चौपट हो गया है। समस्या से नाराज व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने बड़ा चौराहा पर बैरियर के पास जाम लगा दिया और प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने नाले की तत्काल सफाई कराने और जलभराव की समस्या से निजात दिलाने की मांग की। प्रदर्शन के चलते कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शन कर रहे व्यापारियों को समझाकर शांत कराया। पुलिस अधिकारियों ने उनसे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को मामले से अवगत कराया। इसके बाद जाम खुलवाया गया। व्यापारियों का आरोप है कि नाले की नियमित सफाई नहीं कराई जाती, जिससे हर बरसात या पानी भरने की स्थिति में यही समस्या सामने आती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे दोबारा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। स्थानीय व्यापारी सुनील गुप्ता ने बताया कि पिछले करीब एक सप्ताह से जलभराव की समस्या है और कई बार शिकायत के बावजूद कोई समाधान नहीं हुआ। व्यापारी अजय द्विवेदी ने कहा कि दुकान के सामने जलभराव होने से ग्राहक नहीं आ रहे हैं और व्यापार चौपट हो रहा है। फिलहाल, प्रशासन की ओर से समस्या के समाधान का आश्वासन दिया गया है, लेकिन व्यापारी जल्द राहत मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

हाथरस के जरौली गांव में भव्य रामलीला मैदान का उद्घाटन, सांस्कृतिक विकास को नई दिशा

हाथरस की सासनी तहसील के जरौली गांव में नवनिर्मित रामलीला मैदान का भव्य उद्घाटन किया गया।कार्यक्रम में समाजसेवी डॉ. विकास शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों की मौजूदगी रही।ग्राम प्रधान बेबी चौधरी ने इसे गांव के सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन के लिए अहम बताया।यह मैदान भविष्य में धार्मिक आयोजनों और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा।

हाथरस। जनपद की तहसील सासनी के ग्राम जरौली ने आज एक ऐतिहासिक पल का साक्षी बनते हुए नवनिर्मित रामलीला मैदान के भव्य उद्घाटन का उत्सव मनाया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर क्षेत्र के प्रख्यात समाजसेवी डॉ. विकास शर्मा की प्रभावशाली एवं प्रेरणादायी उपस्थिति ने पूरे कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की।उद्घाटन समारोह का शुभारंभ पूर्व ब्लाक प्रमुख श्री अर्जुन सिंह जी, भाजपा जिला महामंत्री हाथरस श्री रूपेश उपाध्याय जी एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष सासनी भाजपा श्री राजकुमार शर्मा जी द्वारा सामूहिक रूप से फीता काटकर किया गया, जिसके साथ ही पूरे वातावरण में उत्साह और उल्लास की लहर दौड़ गई।कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह और गणमान्य व्यक्तियों में श्री कोमल सिंह तोमर, श्री बबलू कौशिक, श्री राकेश गुप्ता, श्री मुकेश चौधरी (प्रधान पति), श्री विजय चौधरी, श्री छीतरमल चौधरी एवं श्री राजकुमार चौधरी प्रमुख रूप से शामिल रहे, जिन्होंने इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनकर आयोजन की शोभा बढ़ाई।इस गरिमामयी आयोजन की अध्यक्षता ग्राम प्रधान श्रीमती बेबी चौधरी जी ने की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि यह रामलीला मैदान ग्राम के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक जीवन को नई ऊर्जा और पहचान प्रदान करेगा।अपने प्रेरक संबोधन में डॉ. विकास शर्मा ने कहा कि "रामलीला मैदान केवल एक स्थल नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, आस्था और परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। यह मंच गांव की एकता, संस्कार और सामाजिक समरसता को और अधिक सुदृढ़ करेगा।"नवनिर्मित रामलीला मैदान न केवल धार्मिक आयोजनों का केंद्र बनेगा, बल्कि यह ग्राम जरौली की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और नई पीढ़ी को उससे जोड़ने का सशक्त माध्यम भी सिद्ध होगा।कार्यक्रम के अंत में समस्त ग्रामवासियों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। यह आयोजन ग्राम के उज्ज्वल भविष्य और निरंतर विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

प्रधान पाठक आत्महत्या मामले में जांच में और खुलासों के संकेत

बीजापुर जिले के पालनार क्षेत्र में प्रधान पाठक राजू पुजारी की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आत्महत्या के दुष्प्रेरण के आरोप में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला पिछले दिनों सामने आए सुसाइड नोट और परिजनों ग्रामीणों के विरोध के बाद लगातार सुर्खियों में बना हुआ था। ज्ञात हो की चेरपाल निवासी प्रधान पाठक राजू पुजारी का शव खेत जंगल क्षेत्र में फांसी के फंदे पर लटका मिला था। सूचना मिलते ही थाना कोतवाली बीजापुर की टीम मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर पंचनामा व पोस्टमार्टम की कार्रवाई की गई। घटनास्थल से मृतक का हस्तलिखित सुसाइड नोट भी बरामद हुआ जिसमें मानसिक प्रताडन‍ा और दबाव का जिक्र किया गया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पालनार स्कूल में शाला भवन निर्माण कार्य शाला प्रबंधन समिति के माध्यम से कराया जा रहा था जिसका ठेका देवाशीष मंडल के पास था। निर्माण कार्य का लगभग 40 प्रतिशत भुगतान हो चुका था जबकि शेष राशि को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई थी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि मृतक पर भुगतान से जुड़े मामलों में दबाव बनाया जा रहा था जिससे वह मानसिक रूप से काफी परेशान था। पंचनामा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और गवाहों के बयानों के आधार पर प्रथम दृष्टया आत्महत्या के दुष्प्रेरण का मामला बनता पाया गया। इसके बाद थाना कोतवाली में एफआईआर दर्ज कर फरार आरोपी ठेकेदार देवाशीष मंडल (36 वर्ष) निवासी डारापारा बीजापुर को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य संभावित आरोपियों की तलाश जारी है और मामले में और साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। इस घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल बन गया था। मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने जिला अस्पताल के बाहर धरना देकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। उनका आरोप था कि लंबे समय से अधिकारी और संबंधित लोग शिक्षक पर दबाव बना रहे थे जिससे वह तनाव में था और अंतत यह कदम उठाने को मजबूर हुआ।

शख्स ने चाकू से पत्नी और सास की हत्या कर दी,ससुर गंभीर रूप से घायल

उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में नगरा थाना क्षेत्र के बछईपुर गांव में एक शख्स ने चाकू से पत्नी और सास की हत्या कर दी, जबकि बीच-बचाव करने आए ससुर को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल ससुर का वाराणसी में इलाज जारी है। गड़वार थाना क्षेत्र के सिहांचवर गांव निवासी अमित गुप्ता ने साल 2022 में बछईपुर की प्रीति के साथ प्रेम विवाह किया था। शुरुआत में अनबन के बाद परिजनों ने अमित को अपना लिया था, लेकिन यह सुलह लंबे समय तक टिक नहीं सकी। शादी के लगभग 4 साल बाद अमित अपने ससुराल आया था। परिजनों का आरोप है कि कुछ दिन पहले अमित पत्नी को विदा कराकर ले गया था, लेकिन वह उसे घर ले जाने के बजाय कहीं और ले जाकर प्रताड़ित करने लगा। बेटी की सुरक्षा को देखते हुए पिता अंतु गुप्ता उसे वापस मायके ले आए। पिछले 10 दिनों से प्रीति अपने मायके में ही रह रही थी। प्रीति की बहन कीर्ति के अनुसार, "अमित ने घर के बाहर चप्पल उतारी और सीधे प्रीति के कमरे में घुस गया। वह बच्चा छीनने की कोशिश कर रहा था। जब प्रीति चिल्लाई, तो उसने चाकू से मारना शुरू कर दिया।" बेटी की चीख सुनकर मां सुशीला देवी उसे बचाने पहुंची, तो अमित ने उस पर भी चाकू से हमला कर दिया। शोर सुनकर पिता अंतु गुप्ता कमरे में दाखिल हुए, तो आरोपी ने उन्हें भी लहूलुहान कर दिया। इस हमले में प्रीति और सुशीला देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सासुर अंतु गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। बहन कीर्ति ने भागकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि दो महिलाओं के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायल व्यक्ति का उपचार वाराणसी में चल रहा है। SP बलिया ओमवीर सिंह ने बताया कि आरोपी अमित गुप्ता की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमें लगाई गई हैं। संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वधु पक्ष ने धोखाधड़ी और दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए बारातियों को बंधक बना लिया

उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में एक शादी समारोह उस समय हंगामे में बदल गया, जब जयमाला के दौरान दूल्हे की अचानक तबीयत बिगड़ गई। घटना के बाद दुल्हन ने शादी से साफ इनकार कर दिया। वधु पक्ष ने धोखाधड़ी और दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए बारातियों को बंधक बना लिया। दूल्हे की बीमारी छिपाने और दहेज में 'स्कॉर्पियो' की मांग से आहत दुल्हन ने मंडप में ही शादी से इनकार कर दिया। भारी तनाव और पुलिस की मौजूदगी के बाद, 14 लाख रुपये के हर्जाने पर दोनों पक्षों में समझौता हुआ। हापुड़ के बुलंदशहर रोड स्थित ग्रीन वैली मैरिज होम में खुशियों का माहौल था। बारात चढ़ने के बाद दूल्हा-दुल्हन जयमाला के लिए स्टेज पर चढ़े। इसी दौरान अचानक दूल्हे की तबीयत बिगड़ गई। दुल्हन के अनुसार, स्टेज पर ही दूल्हे को दौरे पड़ने लगे और उसकी "बत्तीसी भिंच" गई। यह देख वहां मौजूद लोग दंग रह गए। आरोप है कि दूल्हे को पुरानी बीमारी थी, जिसे लड़के पक्ष ने पूरी तरह छिपा कर रखा था। दूल्हे की हालत को देखकर स्टेज पर मौजूद लोग सन्न रह गए। दुल्हन ने आरोप लगाया कि दूल्हा नशे में भी था और उसे दौरे पड़ रहे थे। दुल्हन के परिजनों का गुस्सा तब सातवें आसमान पर पहुंच गया जब उन्हें पता चला कि दूल्हे को पुरानी बीमारी है, जिसे छिपाकर यह रिश्ता तय किया गया था। दुल्हन ने रोते हुए बताया कि मेरे पिता ने हाथ जोड़कर, कर्ज लेकर इनकी हर मांग पूरी की। पहले छोटी गाड़ी दी थी, लेकिन ये लोग स्कॉर्पियो के लिए अड़ गए। इन्होंने न केवल हमें आर्थिक रूप से लूटा, बल्कि धोखे में रखकर मेरी जिंदगी बर्बाद करने की कोशिश की। धोखाधड़ी से नाराज वधु पक्ष ने बारातियों को मैरिज होम में ही बंधक बना लिया। सूचना मिलते ही नगर कोतवाली पुलिस भारी बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराने और सुलह कराने की कोशिश की, लेकिन दुल्हन अपने फैसले पर अडिग रही। उसने स्पष्ट कहा, "जो इंसान और परिवार झूठ की बुनियाद पर रिश्ता शुरू कर रहा है, उसके साथ मेरा भविष्य सुरक्षित नहीं है।"